ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-४७
दिनांक- मंगलवार, २८ जून, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.7 एवं 25.9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 91 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 77 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 5.0 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 3.0 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.1 एवं दोपहर में 36.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 3.6 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(29 जून–03 जुलाई, 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 29 जून–03 जुलाई, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- सक्रिय मानसूनी सिस्टम के प्रभाव से अगले २४–४८ घंटों में उत्तर बिहार के जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है। तराई के जिलों में (जैसे– सीतामढ़ी, मधुबनी, शिवहर, पूर्वी तथा पश्चिमी चम्पारण) मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। अन्य जिलों जैसे–समस्तीपुर, गोपालगंज, दरभंगा तथा मुजफ्फरपुर में मध्यम वर्षा हो सकती है। इन जिलों के एक दो स्थानों पर भारी वर्षा भी हो सकती है। बेगुसराय, वैशाली, सारण तथा सिवान जिलों में हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 31–33 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की सम्भावना है जबकि न्यूनतम तापमान 25–27 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 65 से 70 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 15 से 20 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई अपने खेतों में मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें।
- जो किसान भाई धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य यथाशीघ्र समपन्न करें। धान की अगात किस्में जैसे– प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत–4, राजेन्द्र भगवती, राजेन्द्र नीलम एवं मध्यम अवधि की किस्में जैसे–संतोष, सीता, सरोज, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, कामिनी, सुगंधा उत्तर बिहार के लिए अनुषसित है। 10 से 12 दिनो के बीचड़े वाली नर्सरी से खर–पतवार निकालें।
- जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें।
- खरीफ मक्का की सुआन, देवकी, शक्तिमान–1, शक्तिमान–2 एवं राजेन्द्र संकर मक्का–3 किस्मों की बुआई अतिषीघ्र संपन्न करें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर 10 से 15 टन गोबर की सड़ी खाद, 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाष का व्यवहार करें। इसके लिए प्रति किग्रा0 बीज को 2.5 ग्राम थीरम द्वारा उपचारीत कर बुआई करें। बीज दर 20 किग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें।
- उचॉस जमीन में बरसाती सब्जियाँ जैसे– भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई करें। गरमा सब्जियों की फसल में कीट–व्याधियों की निगरानी करते रहें।
- अरहर की बुआई के लिए उचाँस जमीन की तैयारी करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो स्फुर, 20 किलो पोटाष तथा 20 किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेद्र अरहर 1, मालवीय–13, राजेन्द्र अरहर–1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुषसित है। बीज दर 18–20 किलो प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- सुर्यमुखी की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें । खेत की जुताई में गोबर की खाद कम्पोस्ट का अधिक से अधिक प्रयोग करें। यह भूमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्व की मात्रा बढ़ाती है।
- तिल की बुआई उंचास भूमि में करें। कृष्णा, काँके सफेद, कालिका और प्रगति तिल की अनुशंसित किस्में हैं। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 60 किवन्टल कम्पोस्ट, 20 किलो नेत्रजन, 20 किलो स्फुर एवं 20 किलो पोटाष का व्यवहार करें। बीज दर 4 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर तथा कतार से कतार एवं पौध से पौध की दुरी 30 से0मी0 ग 10 से0मी0 रखें। 2.0 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज को उपचारित कर बुआई करे।
- जो किसान भाई खरीफ प्याज का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, उथली क्यारिओं में यथाशीघ्र नर्सरी गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन0–53, एग्रीफाउण्ड र्डाक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज को कैप्टान या थीरम/ 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। पौधशाला को तेज धूप एवं वर्षा से बचाने के लिए 40% छायादार नेट से 6–7 फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। प्याज के स्वस्थ पौध के लिए पौधषाला से नियमित रूप से खरपतवार को निकालते रहें। कीट–व्याधियों से नर्सरी की निगरानी करते रहें।

आज का अधिकतम तापमानः 29.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.8 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 25.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.3 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी